इकाई 1: परिवार

चित्र और बातचीत

परिवार

शिक्षण-संकेत – बच्चों को पोस्टर देखने के लिए पर्याप्त समय दें। पोस्टर में दिखाए गए घर-परिवार एवं कार्यों के विषय में बातचीत करें। बातचीत के बिंदु इस प्रकार हो सकते हैं –
1. इस घर में कौन-कौन हैं? 2. वे क्या-क्या काम कर रहे हैं? 3. बच्चे रंगोली क्यों बना रहे होंगे? 4. क्या हथेली पर लट्टू चलाने पर गुदगुदी होती है? 5. आपको इस पोस्टर में सबसे अच्छी बात क्या लगी और क्यों? यह सुनिश्चित करें कि कक्षा के सभी बच्चों को अपने घर-परिवार के विषय में अपनी भाषा में कहने की स्वतंत्रता एवं अवसर मिलें।

© NCERT not to be republished

1

सुनें कहानी

मीना का परिवार

मीना के परिवार में सात लोग हैं— उसके दादा, दादी, माता, पिता, चाचा, मीना और उसका छोटा भाई दिवाकर। दिवाकर तीन साल का है। वह बहुत नटखट और चुलबुला है।

मीना को अपने भाई के साथ खेलने में बहुत आनंद आता है। दिवाकर भागकर कमरे के किवाड़ के पीछे छिप जाता है। मीना उसे ढूँढ़ लेती है तो वह ज़ोर-ज़ोर से हँसता है।

© NCERT not to be republished

एक दो तीन चार

मीना उसे गिनती सिखाती है। दिवाकर कहता है, "एक, दो, तीन, चार" तो मीना कहती है, "चाचाजी हमको करते प्यार।"

तभी चाचाजी आ जाते हैं और दिवाकर को गोद में उठा लेते हैं।

मीना, चाचाजी और दिवाकर बरामदे में जाते हैं जहाँ दादी और माँ फल काट रही हैं। मीना के पिता और दादाजी गमलों में पानी दे रहे हैं।

© NCERT not to be republished

थोड़ी देर में माँ सबको फल देती हैं। सब लोग मिल-जुल कर खुशी से फल खाते हैं और आपस में बातें करते जाते हैं। कितना प्यार भरा है मीना का परिवार!

– मालती देवी

शिक्षण-संकेत – बच्चों के साथ उनके परिवार के विषय में बातचीत करें। परिवार में कौन-कौन हैं और वे घर में क्या-क्या काम करते हैं? आप घर में कौन-कौन से खेल खेलते हैं? आप घर के किन कामों को करने में सहायता करते हैं? आदि।

2024-25

बातचीत के लिए

1. इस कहानी में कौन-कौन है?
2. मीना के भाई का नाम क्या है?
3. आप अपने घर में कहाँ-कहाँ छिप सकते हैं?
4. "एक, दो, तीन, चार
   चाचाजी हमको करते प्यार।"
   चाचा की जगह दादा, नाना, नानी और अपने परिवार के अन्य लोगों के लिए इन पंक्तियों को गाइए।

शब्दों का खेल

1. इस कहानी में दिवाकर, दादाजी और दादीजी हैं। आँखें बंद करके इन शब्दों को बोलिए। इनकी पहली ध्वनि बताइए।

2. 'द' से शुरू होने वाले कुछ और शब्द बताइए।

3. नीचे दिए हुए शब्दों को लिखिए –

दादा दादी

4. इस कहानी में 'दादा' और 'दादी' शब्दों को पहचानकर उन पर घेरा लगाइए।

शिक्षण-संकेत – बच्चे 'दी, 'दे', 'दो' आदि से शुरू होने वाले या अपनी भाषा के शब्द भी बता सकते हैं। उन्हें स्वीकार करें और बोर्ड पर लिखें। फिर बच्चों को अनुमान से पढ़ने के अवसर दें। शब्दों की ओर संकेत करते हुए आप पूछ सकते हैं— किसने कौन-सा शब्द दिया था? 'दिवाकर', 'दादाजी', 'दरवाज़ा', 'अदरक', 'चाँद', 'दस', 'गेंद' आदि शब्दों की सहायता से 'द' ध्वनि और उसकी आकृति की पहचान करवाएँ।

© NCERT not to be republished

5. यह कहानी मीना के परिवार के बारे में है। नीचे 'मीना' शब्द लिखने का प्रयास कीजिए –

मीना मीना मीना

6. नीचे दिए गए शब्दों को पढ़ने और लिखने का प्रयास कीजिए –

नाना, नानी, मामा, मामी, दादा, दादी, दीदी, माँ

नाना नानी मामा मामी

दादा दादी दीदी माँ

7. नीचे दिए गए चित्रों के नाम बताइए और पढ़िए –

नीम

नदी

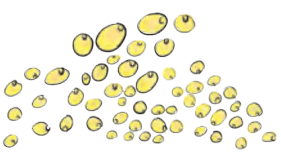

दाने

शिक्षण-संकेत – पृष्ठ 4 पर दिए गए चित्र में मीना के परिवार के सदस्यों की पहचान करवाएँ। नाना, नानी, दादा, दादी, मामी आदि रिश्तों के विषय में पूछें। 'मीना' शब्द के आधार पर 'म' और 'न' की ध्वनि एवं आकृति की पहचान करवाएँ। माला, मकान, नल आदि शब्दों की सहायता भी ली जा सकती है। बच्चों से 'द', 'म', 'न' की ध्वनियों वाले शब्द बताने के लिए कहें। बच्चों की मातृभाषा के शब्दों को भी स्वीकार करें।

© NCERT not to be republished

खेल गीत

चंदा मामा दूर के

चंदा मामा दूर के,
पुए पकाएँ बूर के;
आप खाएँ थाली में,
मुन्ने को दें प्याली में।
प्याली गई टूट,
मुन्ना गया रूठ।
लाएँगे नई प्यालियाँ,
बजा-बजा के तालियाँ,
मुन्ने को मनाएँगे,
हम दूध-मलाई खाएँगे।

साभार – एकलव्य

पहेली

दो बच्चे अपने स्कूल का रास्ता भूल गए हैं। स्कूल तक पहुँचने में उनकी सहायता कीजिए –

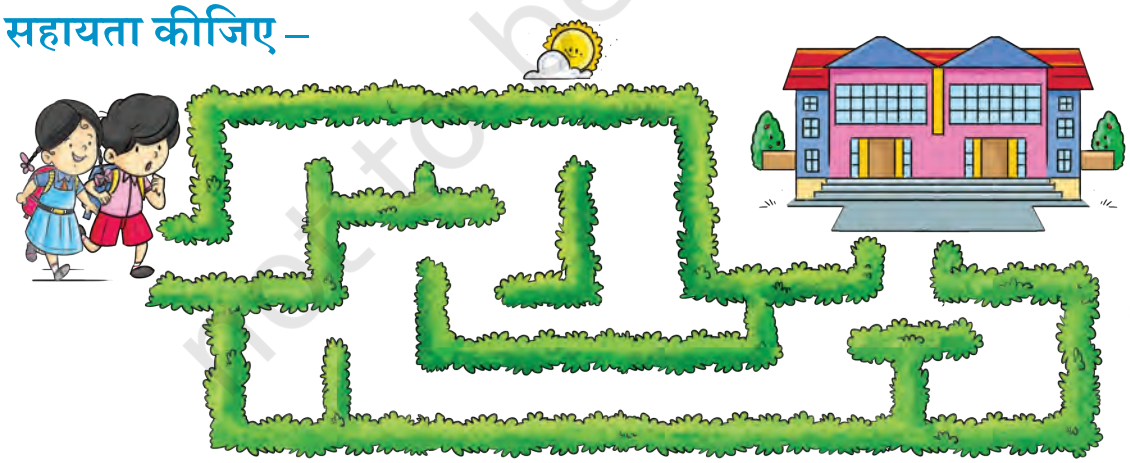

शिक्षण-संकेत – गोलाकार समूह में एक-दूसरे की हथेली पर ताली बजाते हुए ये खेल गीत बच्चों के साथ गाइए।

© NCERT not to be republished

2

आनंदमयी कविता

दादा-दादी

एक हमारे दादाजी हैं,
एक हमारी दादी।
दोनों ही पहना करते हैं,
बिल्कुल भूरी खादी।
दादी गाना गाया करतीं,
दादाजी मुस्काते।
कभी-कभी दादाजी भी,
कोई गाना गाते।

– श्रीप्रसाद

1. इस कविता में दादा और दादी की जगह नाना और नानी कहकर कविता को फिर से गाइए।

शिक्षण-संकेत – हाव-भाव सहित कविता पाठ करते हुए बच्चों को अभिनय के लिए भी प्रोत्साहित करें।

© NCERT not to be republished

झटपट कहिए

अप्पू के अप्पा अप्पम लेने
अनोखे अनंतनगर आए।

घर-घर, घड़ी-घड़ी घड़ी घूमती!

शब्दों का खेल

1. ‘अप्पू अप्पा अप्पम’ की तरह ‘अ’ की जगह ‘म’, ‘न’, ‘द’ की ध्वनि से शब्द बनाकर सुनाइए।
2. निम्नलिखित शब्दों को सुनकर उनमें आई ध्वनियों की संख्या बताइए –
   दादा, दादी, नानी, नाना, मामा, मामी, दनादन, अपना, अनार, नमन।
3. बोल मेरी मछली, कितना पानी?
   नीचे दिए हुए चित्र को देखकर मछलियों की संख्या बताइए –

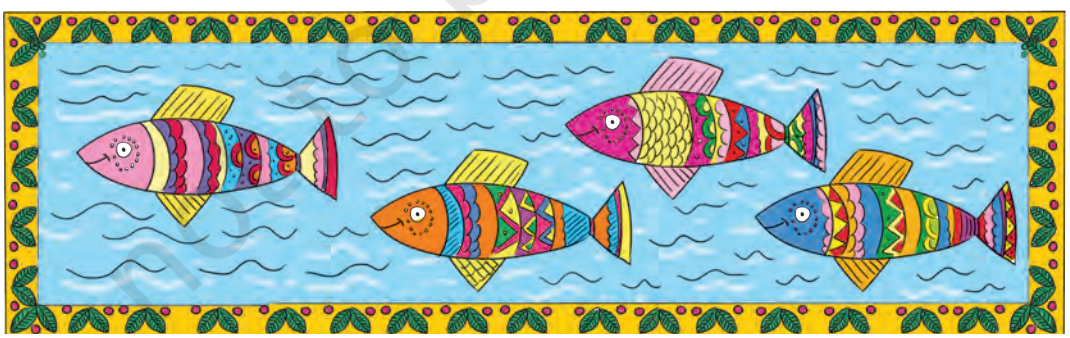

शिक्षण-संकेत – बच्चों के साथ मिलकर शब्दों का खेल खेलें। नए-नए सार्थक-निरर्थक शब्द बनवाएँ। ‘दादा’ शब्द में दो अक्षर हैं। इसी तरह शेष शब्दों में अक्षरों/ध्वनियों की संख्या पूछें। बच्चों से मछलियों की संख्या लिखवाएँ।

© NCERT not to be republished

आओ सुनें!

1. अपना अनार

इन शब्दों में पहली ध्वनि कौन-सी है?

2. **जिन शब्दों की पहली ध्वनि 'अ' है, उनके आगे सही (✓) का चिह्न लगाइए –**

अनार ◯

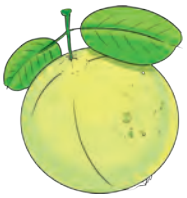

अमरूद ◯

अदरक ◯

माँ ◯

दादा ◯

घर ◯

खोजें-जानें

'दादा-दादी' और 'नाना-नानी' कविताओं को अपने परिवार के किसी सदस्य को सुनाएँ। उनसे 'परिवार' और 'घर' से जुड़ी कोई कविता या कहानी पूछें और सुनाने के लिए कहें।

शिक्षण-संकेत – हो सकता है कि सभी बच्चे यह कार्य करके न ला पाएँ। जो भी बच्चे ला पाएँ, उन्हें अपना कार्य कक्षा में साझा करने को कहें ताकि सभी बच्चे आनंद ले सकें। बच्चों को उनकी अपनी भाषा में गीत/कविता सुनने-सुनाने को प्रोत्साहित करें।

© NCERT not to be republished

3

सुनें कहानी

रीना का दिन

हर दिन रीना सुबह जल्दी उठती है। उठकर बिस्तर को ठीक से लगाती है।

नीम की दातुन से अपने दाँत साफ़ करती है। साबुन से नहाकर रीना स्वच्छ कपड़े पहनती है।

वह अपने बाल में तेल लगाकर कंघी करती है। रीना माँ के बनाए पराठे और सब्ज़ी आनंद के साथ खाती है। रीना माँ के गले लगती है और फिर स्कूल जाती है।

स्कूल के रास्ते में रीना अपनी सहेली दीपा से मिलती है।

दोनों एक-दूसरे से सुप्रभात कहती हैं और हँसती-खेलती स्कूल जाती हैं।

© NCERT not to be republished

स्कूल में प्रार्थना के बाद रीना अपनी कक्षा में जाती है। जैसे ही उनकी अध्यापिका कक्षा में आती हैं, सभी बच्चे खड़े हो जाते हैं और नमस्ते करते हैं। अध्यापिका भी मुस्कुराती हुई नमस्ते करती हैं।

रीना स्कूल में मन लगाकर पढ़ाई करती है।

वह अपनी सहेलियों के साथ खेलती है और थोड़ी शरारत भी करती है।

घर आकर वह हाथ-मुँह धोती है।

फिर वह अपनी स्कूल की सभी बातें अपने परिवार को बताती है।

रीना अपने प्यारे से छोटे भाई के साथ भी खेलती है।

रीना को रात को जल्दी ही नींद आ जाती है।

दादी प्यार से रीना को शुभ रात्रि कहकर सुला देती हैं।

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

1. रीना सुबह अपनी सहेली से मिलने पर क्या कहती है?
2. रीना की दादी रात को सोने से पहले मीना से क्या कहती हैं?
3. आप क्या कहकर बड़ों का अभिवादन करते हैं?
4. घर पर जब कोई अतिथि आते हैं, तो आप क्या कहकर उनका स्वागत करते हैं?
5. अगर आपको रास्ते में कोई परिचित जन मिल जाएँ, तो आप क्या कहते हैं?

खोजें-जानें

पता कीजिए कि आपके सहपाठियों के घर पर अभिवादन कैसे करते हैं?

अभिनय सहित समझाइए कि आप –

- मंजन कैसे करते हैं?
- कैसे नहाते हैं?
- बाल कैसे बनाते हैं?
- खाना कैसे खाते हैं?
- हाथ कैसे धोते हैं?
- कैसे सोते हैं?

खेल-खेल में

मिट्टी से 'घर-घर' खेल की चीज़ें बनाइए, जैसे– चूल्हा, थाली, कटोरी आदि। अब अपने मित्रों के साथ मिलकर 'घर-घर' खेलिए।

शिक्षण-संकेत – अभिवादन संबंधी गतिविधि का उद्देश्य है कि बच्चे अपनी संस्कृति की विविधता को समझ सकें। बच्चों को चर्चा और अभिनय का कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चों को 'घर-घर' खेल खेलने की चीज़ें बनाने के लिए मिट्टी उपलब्ध करवाएँ। मिट्टी के खिलौने बनाने में बच्चों की सहायता करें।

© NCERT not to be republished

सबके घर

रेखा खींचकर पशु-पक्षियों को उनके घर तक पहुँचाइए –

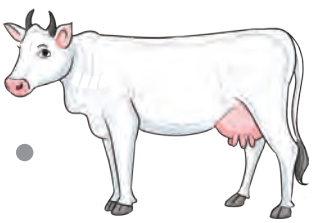

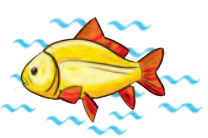

© NCERT not to be republished

चित्रकारी और लेखन

आपको अपने घर में क्या-क्या अच्छा लगता है और क्यों? चित्रों की सहायता से बताइए। इन शब्दों में से आप अपने चित्र के लिए कुछ शब्द चुन सकते हैं— रसोई, कमरा, बरामदा, आँगन, छज्जा, छत, माँ, पिता, दादी, दादा, कहानी, खीर, दूध आदि।

सोचिए और बताइए

आप घर में कौन-कौन से काम करते हैं? सही का चिह्न लगाइए –

हाथ हैं मेरे छोटे-छोटे,
काम करूँ मैं बड़े-बड़े।

साभार – एकलव्य

शिक्षण-संकेत – बच्चों से सुनें कि उन्होंने क्या बनाया है और उनके द्वारा कहे गए वाक्य उनके चित्रों के साथ लिखें। बच्चों को कुछ शब्द लिखने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

© NCERT not to be republished

4

मिलकर पढ़िए

रानी भी

रमा और रानी दो बहनें हैं।

रानी हमेशा रमा के साथ रहती है।

रमा ने अपने बालों मे कंघी की।

रानी ने भी अपने बालों में कंघी की।

रमा ने चप्पल पहनी।

रानी ने भी चप्पल पहन ली।

© NCERT not to be republished

रमा ने अपना बस्ता
उठाया।

रानी ने भी एक झोला
उठा लिया।

रमा स्कूल जाने लगी।

माँ ने रानी को स्कूल नहीं जाने दिया।

रानी अभी बहुत छोटी है।

माँ ने रानी को समझाया, “रानी बेटी, तुम अभी बहुत छोटी हो। थोड़ी-सी बड़ी हो जाओ, तब तुम भी स्कूल चली जाना।”

साभार – बरखा क्रमिक पुस्तकमाला,
एन.सी.ई.आर.टी.

© NCERT not to be republished

1. अनुमान लगाकर शब्दों के साथ चित्रों को जोड़िए –

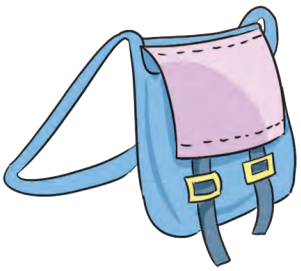

बस्ता

झोला

रानी

रमा

चप्पल

स्कूल

कंघा

बाल

2. एक बार फिर से अनुमान लगाकर अपने शिक्षक के साथ 'रानी भी' कहानी को पढ़िए।

3. यह कहानी दो बहनों की है। उनके नाम बताइए।

© NCERT not to be republished

उन दोनों बहनों के नाम लिखिए –

रानी   रमा

4. क्या रानी रमा के साथ स्कूल गई?

- ◯ हाँ। रानी रमा के साथ स्कूल गई।
- ◯ नहीं। रानी रमा के साथ स्कूल नहीं जा पाई।

बातचीत के लिए

1. रानी रमा के साथ स्कूल क्यों जाना चाहती थी?
2. माँ ने रानी को स्कूल क्यों नहीं जाने दिया?

खोजें-जानें

अपने परिवार के लोगों से बातचीत कीजिए और जानिए कि उनका स्कूल कैसा था। उनके स्कूल का चित्र उनकी सहायता से बनाइए और कक्षा में सभी के साथ साझा कीजिए।
यह भी साझा कीजिए कि आपको उनके स्कूल में और अपने स्कूल में क्या अंतर दिखाई देता है?

शिक्षण-संकेत – 'रानी भी' की कहानी में आए शब्दों की सहायता से बच्चों को 'र' और 'ल' की ध्वनि और आकृति (अक्षर) से परिचित कराएँ, जैसे– 'रमा', 'रानी', 'चप्पल', 'बाल', 'झोला' आदि। बच्चों से भी इन ध्वनियों वाले शब्द अवश्य पूछिए।

© NCERT not to be republished

शब्दों का खेल

1. नीचे दिए गए शब्दों को सुनिए। बताइए कि पहली ध्वनि कौन-सी है। दूसरी ध्वनि कौन-सी है –

नाना नानी काका काकी मामा मामी
माँ रमा रानी बाल झोला

2. नीचे दिए गए अक्षरों की ध्वनि पहचानने और लिखने का अभ्यास कीजिए –

न – ..... क – ..... म – .....

प – ..... र – ..... ल – .....

3. नीचे दी गई ध्वनियों को सुनिए –

का पा ना मा रा ला

बताइए **क**, **प**, **न**, **म**, **र** और **ल** के अतिरिक्त आपको कौन-सी ध्वनि सुनाई दे रही है?

4. अब 'आ' लिखने का प्रयास कीजिए –

आ ....

शिक्षण-संकेत – बच्चों को 'नाना', 'नानी', 'काका', 'काकी', 'मामा', 'मामी' आदि शब्दों की 'न', 'क', 'म' और 'प' ध्वनियों एवं आकृतियों से परिचित कराएँ। 'का', 'पा', 'ना', 'मा' के माध्यम से 'आ' की ध्वनि और आकृति एवं 'आ' की मात्रा (ा) से परिचित कराएँ।

© NCERT not to be republished

5. नीचे दिए गए चित्रों के नाम लिखिए और पढ़ने का प्रयास कीजिए –

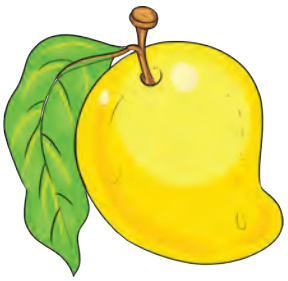

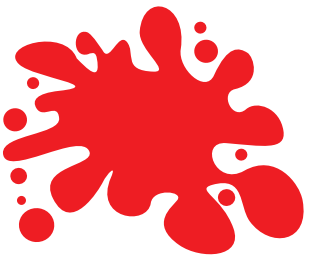

.... लू   ....

चित्रकारी और लेखन

माँ, पिता, मामा, मामी, नाना, नानी, मित्र, दीदी, भैया आदि का कोई चित्र बनाइए। चित्रों के साथ कुछ शब्द लिखने का प्रयास भी कीजिए –

© NCERT not to be republished

शिक्षण-संकेत – बच्चों से पूछें कि उन्होंने क्या बनाया है। उनके द्वारा बोले गए वाक्यों को उनके चित्रों के बराबर में लिखें। बच्चों को कुछ शब्द लिखने के लिए प्रोत्साहित करें।

शब्दों का खेल

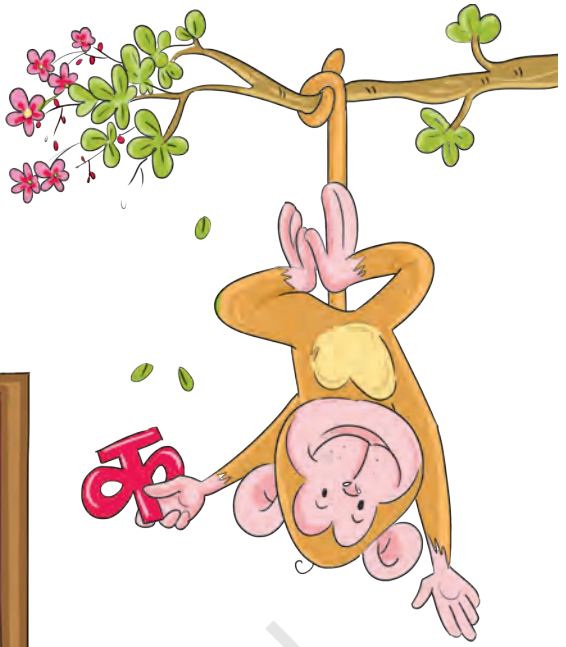

दिए गए अक्षरों को जोड़कर अपने शब्द बनाइए –

क	प	न	र
म	का	पा	ल
ना	मा	दा	ला

(i) ..... नाना .....

(ii) ..... काम .....

(iii) .....

(iv) .....

(v) .....

(vi) .....

(vii) .....

(viii) .....

(xi) .....

(x) .....

प्रश्न और पहेली

- मेरे पिता के पिता, मेरे .....
- मेरी सहेली बड़ी प्यारी, उसका नाम बूझो तो जानें
  मेरे नाम का उल्टा उसका नाम, मै हूँ नीरा, तो वो है .....
- 'नीना की नानी' का उल्टा है .....

© NCERT not to be republished

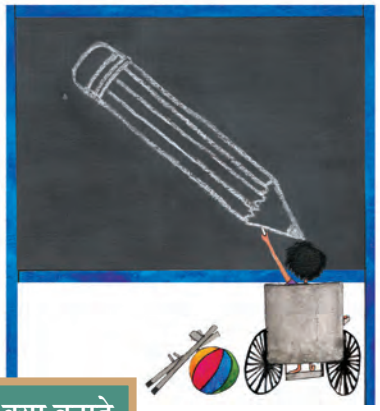

चित्र और बातचीत

पेंसिल

शिक्षण-संकेत – बच्चों से पूछें कि चित्र में पेंसिल से क्या-क्या बनाया गया है? वे पेंसिल से क्या-क्या बनाते हैं? बच्चों से कहें कि वे पेंसिल से अपनी पसंद का कोई चित्र बनाएँ।

© NCERT not to be republished

रंग भरिए

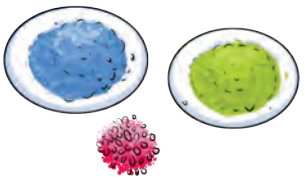

© NCERT not to be republished

शिक्षण-संकेत – बच्चों को रंगोली में अपने मनपसंद रंग भरने के लिए प्रोत्साहित करें।

खेल गीत

मुर्गा बोला कुकड़ू-कूँ

मुर्गा बोला कुकड़ू-कूँ,
चल मेरे भैया रुकता क्यूँ!

कुत्ता भौंके, भौं-भौं-भौं,
अटकी गाड़ी पौं-पौं-पौं।

बकरी आई, बिल्ली आई,
मेंऽ-मेंऽ आई, म्याऊँ-म्याऊँ आई।

धक्की गाड़ी धौं-धौं-धौं,
चल दी गाड़ी पौं-पौं-पौं।

शिक्षण-संकेत – अन्य जानवरों की आवाज़ें बताकर इस खेल गीत को आगे बढ़ाइए। बच्चों को खेल के मैदान में एक-दूसरे के पीछे रेलगाड़ी बनाकर आगे बढ़ते हुए यह खेल गीत करवाएँ।

© NCERT not to be republished

गिलहरी की कहानी

© NCERT not to be republished

शिक्षण-संकेत – बच्चों से चित्र के आधार पर अपनी कहानी बनाने के लिए कहें। बच्चों को प्रेरित करें कि वे चित्र में दी गई चिड़िया और इल्ली को भी कहानी में शामिल करें। बच्चों को अपनी भाषा में कहानी सुनाने के लिए प्रोत्साहित करें।

© NCERT not to be republished